NaiDuniya (Indore), 24th October 2026, City Page-I

छोटी सी चिप से वैश्विक पहचान बनाएंगे इंदौर के काबिल युवा

विशेषज्ञ बोले- बदलती तकनीक के साथ नए बाजार की मांग के अनुरूप होगी चिप डिजाइनिंग

उदय प्रताप सिंह ● नईदुनिया

इंदौर : सेमीकंडक्टर चिप को आधुनिक औद्योगिक युग का डिजिटल हीरा कहा जाता है। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, चिकित्सा उपकरणों से लेकर गाड़ियों, रक्षा प्रणालियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक में इनका उपयोग हो रहा है। दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप की बढ़ती मांग को पूरा करने में इंदौर ही नहीं, मध्य प्रदेश भी अहम भूमिका निभा सकता है। इससे प्रदेश के युवाओं के हुनर को वैश्विक पहचान मिलेगी। इंदौर में आयोजित एमपी सेमिकंडक्टर समिट में नईदुनिया ने विशेषज्ञों और उद्यमियों से जानने का प्रयास किया कि इंदौर और मध्य प्रदेश में डिजाइन होने वाली छोटी सी चिप प्रदेश, देश और दुनिया में किस तरह बड़ा बदलाव ला सकती है।

फैबलेस आइसी डिजाइन हाउस पर दे भारत ध्यान

मध्य प्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने में ताइवान अपनी तकनीक और अन्य सहयोग देगा। भारत को महंगे चिप निर्माण के बजाय फैबलेस आइसी डिजाइन हाउस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ये बातें नईदुनिया से विशेष चर्चा में ताइवान के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के डायरेक्टर और काउंसलर डा. लुन जीह यांग ने कहीं।

उन्होंने कहा कि चिप निर्माण की फैक्ट्रियां स्थापित करना बेहद खर्चीला सौदा है। इसके विपरीत फैबलेस आइसी डिजाइन हाउस शुरू करना आसान और कम खर्चीला है। भारत के लिए यह एक बेहतरीन शुरुआत हो सकती है।

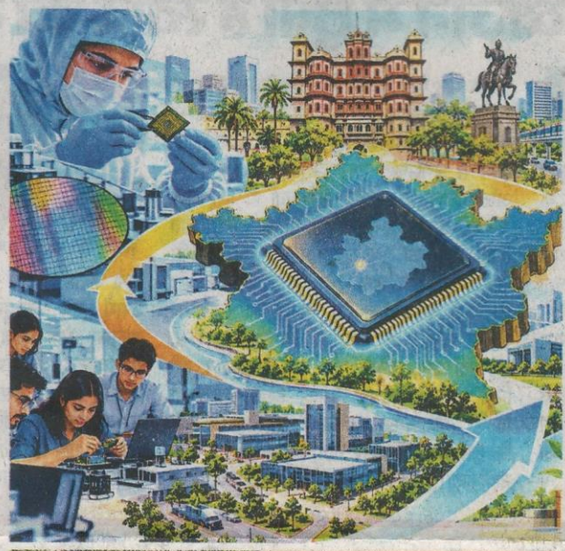
संस्थानों को मिलेगी रफ्तार

सेमीकंडक्टर समिट में अहम भूमिका निभाने वाले आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि इंदौर में चिप डिजाइनिंग की शुरुआत हो रही है।

इसमें शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों की अहम भूमिका होगी। प्रदेश में चिप टू स्टार्टअप प्रोजेक्ट से जुड़े 24 संस्थान हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत आइआइटी इंदौर, एसजीएसआइटीएस सहित प्रदेश के अन्य संस्थानों में चिप डिजाइन की जा रही है, जबकि उनका निर्माण चंडीगढ़ में होता है।

अब चंडीगढ़ की एसआइएल कंपनी के साथ अनुबंध होने के बाद अधिक संख्या में चिप डिजाइन और विकसित की जा सकेंगी।

इंदौर के संस्थान चिप टू स्टार्ट प्रोडक्ट और ईडीए (इलेक्ट्रानिक्स डिजाइन व आटोमेशन) पर काम कर सकेंगे।





नीदरलैंड्स से आए आदित्य बरन मलिक और इंदौर के सुनील रावत ● नईदुनिया



आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर संतोष कुमार विश्वकर्मा। ● नईदुनिया



विज्ञान एवं तकनीकी विभाग ताइवान के डायरेक्टर डा. लुन जीह यांग ● नईदुनिया

मिडिल ईस्ट, अफ्रीका में भी होगा उपयोग

नीदरलैंड्स से आए आदित्य बरन मलिक ने बताया कि वह इंदौर में अपने पार्टनर सुनील रावत के साथ अगले एक माह में सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन करने वाली कंपनी इंड सिलिका सेमिकंडक्टर प्रा. लि. की शुरुआत करने वाले हैं। भारत में फिलहाल चिप डिजाइन की पूरी क्षमता विकसित नहीं हुई है। उनकी कंपनी विदेश से शोध और तकनीकी ज्ञान लाकर भारतीय कंपनियों के लिए चिप डिजाइन करेगी। इंदौर में डिजाइन होने वाली चिप का उपयोग मिडिल ईस्ट, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में किया जाएगा। इंदौर में पावर मैनेजमेंट सिस्टम, कृषि, आटोमोटिव, ईवी, सोलर और आटोमोबाइल क्षेत्र में उपयोग होने वाली 55 नैनोमीटर से अधिक की सेमीकंडक्टर चिप तैयार की जाएगी।

जापानी, ताइवानी और कोरियाई भाषाओं में जारी हुई सेमीकंडक्टर नीति

मुख्यमंत्री ने समिट में मध्य प्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025 का जापानी, ताइवानी और कोरियाई भाषाओं में विमोचन किया। मध्य प्रदेश सेमीकान स्टार्टअप चैलेंज के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस चैलेंज में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स, एम्बेडेड सिस्टम और डीप-टेक क्षेत्र के 25 चयनित स्टार्टअप की प्रस्तुति के बाद 10 फाइनलिस्ट चुने गए। विजेताओं को कुल छह लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने समिट में कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0 और 2.0 शुरू किए हैं। इनका उद्देश्य सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाना है। मध्य प्रदेश भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।